UNIVERSITY OF CALCUTTA

Notification No. CSR/13/2024

It is notified for information of all concerned that in terms of the provisions of Section 54 of the Calcutta University Act, 1979, (as amended), and, in the exercise of her powers under 9(6) of the said Act, the Vice-Chancellor has, by an order dated 09.02.2024, approved the following, under CCF, 2022, under this University, as laid down in the accompanying pamphlet.

1. Syllabus of Human Development (3-year MDC) under CCF, 2022: The syllabus for 3-year MDC Course of study in Human Development including Examination Modalities/ Question pattern.
2. Syllabus of Hindi (4-year Honours & Honours with Research and 3-year MDC) under CCF, 2022: The complete Syllabus for 4-year Honours & Honours with Research course of study (except paper 24 & 25) and complete Hindi syllabus for 3-year MDC course of study. The syllabus for semester-1 & semester-2 (4-year Honours & Honours with Research and 3-year MDC), remains same, as published earlier (CSR/18/2023, dt. 24.07.2023).
3. Microbiology under CCF, 2022: Amendment in CSR/49/2023, dt.19.12.2023: The practical component of core paper of Microbiology (for 4-year Honours & Honours with Research Course of study under CCF), will be held in away center inaccordance with CSR/45/2023, dt.18.12.2023 (Examination Regulations for B.A./B.Sc. Honours and Honours with Research).
4. Islamic History (for 4-year Honours & Honours with Research and 3-year MDC) under, CCF,2022: Amendment in CSR/49/2023, dt. 19.12.2023: Examination Modalities/Question Pattern for Islamic History (4-year Honours & Honours with Research & 3-year MDC) will be same as the Examination modalities / Question Pattern of History, as Published in CSR/49/2023, dt.19.12.2023.

The above shall take effect from the academic session 2023-2024.

13/3/2024

Prof.(Dr.) Debasis Das

Registrar

SENATE HOUSE

Kolkata-700073

13.03.2024

NEP, 2020 HINDI SYLLABUS B.A 3/4 YEARS COURSE

UNIVERSITY OF CALCUTTA

HINDI SYLLABUS

(हिंदी पाठ्यक्रम)

Semester	Category of Course	Course Title	Credits		
			Theory	Practical/oP/TU	Total
1	DSC/Core (CC-1)	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	3	1	4
	Minor-1 / MD-1	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	3	1	4
	IDC/MDC	कार्यालयी हिंदी	2	1	3
	SEC-1	लोक साहित्य	3	1	4
	AEC	Compulsary English	2	0	2
	CVAC				
2	DSC/Core (CC-2)	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	3	1	4
	Minor-2/ MD-2	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	3	1	4
	IDC/MDC	कार्यालयी हिंदी	2	1	3
	SEC-2	डिजिटल साक्षरता/Digital Empowerment(optional)	3	1	4
	AEC		2	0	2
	CVAC				

NEP, 2020 HINDI SYLLABUS B.A 3/4 YEARS COURSE

UNIVERSITY OF CALCUTTA

HINDI SYLLABUS

(हिंदी पाठ्यक्रम)

प्रथम सत्र

DSC/Core = 4 Credits (1 X 4) 3Th + 1P/TU

HIN-H-CC-1-1-TH

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता की प्रस्तावना एवं परिचय

विद्यापति – निम्नलिखित पद

- सखी रे हमर दुखक नहिं ओर
- मधुपुर मोहन गेल रे
- अनुखन माधव माधव सुमरइते सुंदरी भेल मधाई
- सरस बसंत समय भल पाओल दछिन पवन बहु धीरे
- कत सुख सार पाओल
- मोरे रे अँगना चानन केरि गछिया

कबीर - निम्नलिखित 5 पद 10 साखी

- संतो भाई आई ग्यान की आँधी रे
- पानी बिच मीन प्यासी

- मन न रंगाए रंगाए जोगी कपरा
- अरे इन दोउन राह न पाई
- गगन घटा घहरानी

दोहे –

- सतगुरु की महिमा अनंत
- बिरहा- बिरहा मति कहौ
- आँखड़ियाँ झाईं परी
- माला तो कर में फिरै
- जाप मरै अजपा मरै
- तूँ -तूँ करता तू भया
- हम घर जारा आपना
- कस्तूरी कुण्डलि बसै
- सुखिया सब संसार है
- कबीर यहु घर प्रेम का

जायसी - पद्मावत (मानसरोदक खंड)

सूरदास - निम्नलिखित पद (10)

- अविगत गति कछु कहत न आवै
- जौ लौं मन कामना न छूटै
- जसोदा हरि पालने झुलावै
- किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत
- खेलन में को काकौ गुसैयाँ
- मैया हौं न चरैहों गाई

- बूझत श्याम कौन तू गोरी
- बिनु गोपाल बैरनि भई कुंजै
- आयो घोष बड़ो व्यापारी
- ऊधौ मन न भए दस बीस

तुलसीदास - निम्नलिखित 5 पद, 10 दोहे

पद -

- ऐसी मूढ़ता या मन की
- जाऊँ कहाँ तजि चरण तिहारे
- ऐसो को उदार जग माहीं
- पालनै रघुपति झुलावै / लै लै नाम सप्रेम सरस स्वर कौसल्या कल कीरति गावै
- भोर भयो जागहु, रघुनन्दन | गत-व्यलीक भगतनि उर-चन्दन ||

दोहे -

- राम नाम अवलंब बिनु परमारथ की आस
- जे न मित्र दुख होई दुखारी
- राम नाम मनि दीप धरि जीह देहरी द्वार
- बध्यो बधिक पर्यो पुन्य जल
- आवत हिय हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह |
- तुलसी काया साथ विपति के, विद्या, विनय, विवेक |
- तुलसी काया खेत है, मनसा भयौ किसान
- तुलसी मीठे बचन ते सुख उपजत चहुँ ओर
- सचिव, बैद, गुरु तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस

मीराबाई - निम्नलिखित पद (6)

- यह विधि भगति कैसे होय
- मैं तो साँवरे के रंग राँची
- राणाजी म्हाने या बदनामी लागे नीकी
- हे री मैं तो प्रेम दिवाणी
- कोई कहियो रे प्रभु आवन की
- पग घुँघरू बाँधि मीरा नाची रे

रहीम - निम्नलिखित दोहे (15)

- कहा करौं बैकुंठ लै
- खरच बढ़यो उद्यम घट्यो
- छिमा बड़न को चाहिए
- तरुवर फल नहीं खात है
- दीन सबन को लखत है
- दीरघ दोहा अरथ के
- पावस देखि रहीम मन
- प्रेम पंथ ऐसो कठिन
- बड़े बड़ाई ना करैं
- रहिमन देखि बड़ेन को
- रहिमन धागा प्रेम का
- रहिमन निज मन की बिथा
- रहिमन यह संसार में
- रहिमन विपदा हूँ भली

- रहिमन पानी राखिए

बिहारी - निम्नलिखित दोहे (15)

- अजौ तरौना ही रह्यों
- इन दुखिया अँखियान कौ
- करौ कुबत जग कुटिलता
- या अनुरागी चित की
- जप माला छापा तिलक
- नहीं पराग नहिं मधुर मधु
- कहत नटत रीझत खिझत
- बतरस लालच लाल की
- अनियारे दीरघ दृगनि
- तो पर वारौं उरबसी
- जब जब वै सुधि कीजियै
- को छूट्यौ इहि जाल
- औंधाई सीसी सुलखि
- दृग उरझत टूटत कुटुम
- लिखन बैठि जाकी सबी

घनानंद - निम्नलिखित पद (6)

- झलकै अति सुन्दर आनन गौर
- हीन भए जल मीन अधीन
- मीत सुजान अनीति करौ
- प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान

- रावरे रूप की रीति अनूप
- अति सूधो सनेह को मारग

रसखान - निम्नलिखित सवैये (6)

- मानुस हौं तो वही रसखान
- मोरपखा मुरली बनमाल
- फागुन लग्यो सखि जब तें
- कंचन मंदिर ऊँचे बनाई के
- सोहत है चंदवा सर मोर को
- कान्ह भए बस बांसुरी के

भूषण- निम्नलिखित पद (6)

- इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व
- पावक तुल्य अमीतन को भयो
- ब्रह्म के आनन ते निकसे ते
- सबन के ऊपर ठाढ़ो रहिबे के जोग
- बाने फहराने घहराने घंटा गजन के
- ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी

अनुमोदित पुस्तकें -

- विद्यापति पदावली - रामवृक्ष बेनीपुरी
- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दास
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पांडेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस
- पद्मावत - सं. रामचंद्र शुक्ल

- मीरा बाई की सम्पूर्ण पदावली - डॉ. रामकिशोर शर्मा
- घनानंद कवित्त - सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- रहीम - सं. विद्यानिवास मिश्र
- रसखान रचनावली - वाणी प्रकाशन
- विद्यापति - डॉ शिवप्रसाद सिंह
- विद्यापति - डॉ आनंद प्रसाद दीक्षित
- मैथिल कोकिल विद्यापति - डॉ कृष्णदेव झारी
- हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
- भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर
- हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि - डॉ गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर - आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर
- कबीर का साहित्य अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी
- कबीर - सं बासुदेव सिंह
- कबीर अनुशीलन - प्रेमशंकर त्रिपाठी
- भक्ति आंदोलन का अध्ययन - रतिभानु सिंह नाहर
- तुलसी की साहित्य साधना - डॉ लल्लन रॉय
- तुलसी - उदय भानु सिंह
- तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित
- गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडेय

- महाकवि सूरदास - नन्द दुलारे वाजपेयी
- जायसी ग्रंथावली - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- सूरदास - सं राकेश कुमार
- मीराँबाई - सं वसंत त्रिपाठी
- भक्ति काव्य का मूल्यबोध - वीरेंद्र मोहन
- मीराँ माधुरी - श्री ब्रजरत्न दास(भूमिका माधव हाड़ा)
- घनानंद का शृंगार काव्य - रामदेव शुक्ल
- मलिक मुहम्मद जायसी - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- महाकवि भूषण - भगीरथ दीक्षित
- भूषण ग्रंथावली - सं आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण - राजमल बोरा
- पद्मावत प्रभा – सूर्यप्रसाद दीक्षित

****

IDC/ MDC = 3 Credits (1 X 3) 2 TH + 1P/TU

HIN-H- IDC-1/2/3-1-TH

कार्यालयी हिंदी

(कार्यालयी हिंदी के प्रयोग का परिचय)

- आवेदन पत्र के प्रकार - शासकीय पत्र, अर्द्ध शासकीय पत्र, कार्यालयी आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालयी ज्ञापन, निविदा, टिप्पणी, मसौदा लेखन ,व्यावसायिक पत्र- लेखन, प्रारूपण
- संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण
- हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण, प्रक्रिया एवं प्रस्तुति
- परिभाषिक शब्द – 50

1.	Allotment	आवंटन
2.	Allowance	भत्ता
3.	Autonomous	स्वायत्त
4.	Bye-law	उप-विधि
5.	Circular	परिपत्र
6.	Confirmation	पुष्टि
7.	Contract	संविदा
8.	Enclosure	संलग्नक
9.	Honorarium	मानदेय
10.	Memorandum	ज्ञापन
11.	Notification	अधिसूचना
12.	Postponement	स्थगन
13.	Proceeding	कार्यवाही
14.	Record	अभिलेख
15.	Stagnation	गतिरोध
16.	Account	लेखा खाता
17.	Adjustment	समायोजन
18.	Audit	लेखा-परीक्षा
19.	Audition	स्वर/ ध्वनि परीक्षण
20.	Authentic	प्रामाणिक
21.	Bail	जमानत
22.	Bearer	वाहक

23.	Clearing	समाशोधन
24.	Confiscation	अधिहरण
25.	Convertible	परिवर्तनीय
26.	Dividend	लाभांश
27.	Endorsement	बंदोबस्ती
28.	Finance	वित्त
29.	Forfeiture	जब्ती
30.	Indemnity Bond	क्षतिपूर्ति बंध
31.	Investment	निवेश
32.	Lease	पट्टा
33.	Lumpsum	एकमुश्त
34.	Mobilisation	संग्रहण
35.	Mortgage	गिरवी
36.	Payable	देय
37.	progressive -note	रुक्का/हुण्डी
38.	Recommendation	संस्तुति
39.	Rectification	परिशोधन
40.	Redeemable	प्रतिदेय
41.	Revenue	राजस्व
42.	Security	प्रतिभूति
43.	Short-term credit	अल्पावधि उधार
44.	Sur-charge	अधिभार

45.	Trade mark	मार्का
46.	Transaction	लेनदेन
47.	Turn over	पण्यावर्त
48.	Validity	वैधता
49.	Warranty	आश्वस्ति
50.	Withdrawal	आहरण

****

AEC - COMPULSARY ENGLISH

****

SEC = 4 credits (1 X 4) 3Th + 1P/TU

HIN-H-SEC-1-1-TH

लोक साहित्य

(लोक साहित्य के प्रमुख रूपों की प्रस्तावना एवं परिचय)

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
- लोकगीत : संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत ।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग , यक्षगान, बिदेसिया, भांड, तमाशा, नौटंकी ।
- लोककथा : व्रतकथा, परिकथा, नाग-कथा, कथारूढ़ियाँ और अन्धविश्वास ।

- लोकभाषा : लोक सुभाषित- मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ ।
- लोकनृत्य एवं लोक संगीत ।

अनुमोदित पुस्तकें -

- लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद - बद्रीनारायण
- लोक साहित्य और लोक संस्कृति - डॉ. रामनिवास शर्मा
- भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा
- लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ. शंकरलाल यादव
- भारतीय लोक विश्वास - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
- धरती गाती है - देवेंद्र सत्यार्थी
- अवधी लोक गीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन – सत्या उपाध्याय
- लोक संस्कृति की रूपरेखा - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक रंग : उत्तर प्रदेश - दया प्रकाश सिन्हा
- भारतीय लोकनाट्य - वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
- लोक संस्कृति : आयाम और परिदृश्य - सं. महावीर प्रसाद अग्रवाल
- लोक साहित्य विमर्श - श्याम परमार
- अवधी लोक वांग्मय – सूर्यप्रसाद दीक्षित
- मध्यप्रदेश का लोकनाट्य माच - शिवकुमार मधुर
- आधुनिक हिन्दी नाट्यालोचन, नई भूमिका - नर नारायण राय
- सृजन का सुख दुःख - प्रतिभा अग्रवाल

- बोलने की कला - भानु शंकर मेहता
- भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- हमारे लोकधर्मी नाट्य - श्याम परमार
- लोक साहित्य : पाठ और परख - विद्या सिन्हा
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

****

CVAC- ENVS BY THE UNIVERSITY

4 credits (2 X 2)

****

द्वितीय सत्र

DSC/Core = 4 Credits (1 x 4) 3Th +1P/TU

HIN-H-CC-2-2-TH

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

- **आधुनिक हिंदी कविता की प्रस्तावना और परिचय**

भारतेन्दु हरिश्चंद्र -

- नये जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' -

- एक तिनका
- कर्मवीर
- सरिता

- खद्योत
- फूल और काँटा

मैथिलीशरण गुप्त -

- सखि वे मुझसे कह कर जाते
- किसान
- मनुष्यता
- आर्य
- होली

जयशंकर प्रसाद -

- हमारा प्यारा भारतवर्ष
- अरुण यह मधुमय देश हमारा
- उठ -उठ री लघु- लघु लोल लहर
- मधुप गुनगुनाकर कह जाता
- ले चल वहाँ भुलावा देकर
- पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला -

- संध्या सुंदरी
- अधिवास
- जागो फिर एक बार (2)
- गहन है यह अंधकारा
- स्नेह निर्झर बह गया है
- ध्वनि

सुमित्रानंदन पंत -

- प्रथम रश्मि

- बादल
- गा कोकिल बरसा पावक कण
- मौन निमंत्रण
- धूप का टुकड़ा
- संध्या

महादेवी वर्मा -

- धीरे- धीरे उतर क्षितिज से
- क्या पूजा क्या अर्चन रे
- मैं नीर भरी दुःख की बदली
- चिर सजग आँखें उनींदी
- पंथ रहने दो अपरिचित
- यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो

सुभद्रा कुमारी चौहान -

- मेरा नया बचपन
- वीरों का कैसा हो बसंत
- गिरफ्तार होने वाले हैं
- प्रथम दर्शन
- ठुकरा दो या प्यार करो
- पारितोषिक का मूल्य

अनुमोदित पुस्तकें -

- भारतेन्दु रचना संचयन: - संपादक गिरीश रस्तोगी

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
- मैथिलीशरण गुप्तः पुनर्मूल्यांकन - डॉ नगेंद्र
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
- काव्य और कला तथा अन्य निबंध - जयशंकर प्रसाद
- छायावाद: पुनर्मूल्यांकन - सुमित्रानन्दन पंत
- छायावाद का व्यावहारिक सौंदर्यशास्त्र – सूर्यप्रसाद दीक्षित
- पल्लव - सुमित्रानंदन पंत
- छायावाद - नामवर सिंह
- छायावाद की प्रासंगिकता - रमेश चन्द्र शाह
- प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर
- प्रसाद साहित्य की अंतश्चेतना - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा
- महादेवी - परमानंद श्रीवास्तव
- महादेवी वर्मा : एक मूल्यांकन - कुमार विमल
- निराला रचनावली - सं नंदकिशोर नवल
- छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन - कुमार विमल
- साहित्य चिंतन और मूल्यांकन - कुमार विमल
- भारतीय नवजागरण और दिनकर - मीनाक्षी चौहान
- परंपरा, आधुनिकतावाद और दिनकर - जयसिंह नीरद
- राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और प्रसाद - शम्भुनाथ
- रामविलास शर्मा : चिंतन अनुचिंतन - ऋषिकेश राय

- जयशंकर प्रसाद - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
- कवि निराला - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
- निराला - सं विश्वनाथ तिवारी
- निराला - इंद्रनाथ मदान

****

AEC - COMPULSARY ENGLISH

****

SEC = 4 credits (1 X 4) 3Th + 1P/TU

HIN-H-SEC-2-2-TH

डिजिटल साक्षरता / DIGITAL EMPOWERMENT (OPTIONAL)

डिजिटल साक्षरता –

- डिजिटल साक्षरता की परिभाषा और अवधारणा
- डिजिटल तकनीक के विविध प्रकार
- ऑनलाइन सूचना की विश्वसनीयता
- कॉपीराइट और प्लेजरिज्म (साहित्यिक/बौद्धिक चोरी)
- हमारे देश के महत्वपूर्ण एप्लीकेशन – Digilocker, E-Hospitals, E-Pathshala, BHIM ,E-Kranti (electronic delivery of service), E-Health Campaigns.

इलेक्ट्रॉनिक सम्प्रेषण (संचार नेटवर्क): मेल, ब्लॉग -

- सोशल मीडिया- फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, कू, टेलिग्राम
- ऑनलाइन शिक्षण के विविध प्लेटफॉर्म (मंच)- सामान्य परिचय एवं उपयोगिता

- ब्राउज़र– गूगल, माइक्रोसॉफ्ट एज, फ़ायरफ़ॉक्स, याहू
- शिक्षण मंच– यूट्यूब, गूगल क्लासरूम, ज़ूम, गूगल मीट

डिजिटल सुरक्षा :

- ऑनलाइन सुरक्षा और निजता (privacy)
- डिजिटल दुनिया के खतरे- डेटा चोरी और साइबर अपराध |
- ब्लॉक चेन तकनीक
- भारत सरकार और साइबर सुरक्षा

डिजिटल नैतिकता :

- ऑनलाइन व्यवहार और शिष्टाचार
- नई तकनीकें: सामान्य परिचय
- **AI** और मशीन लर्निंग

अनुमोदित ग्रंथ –

- न्यू मीडिया और बदलता भारत – प्रांजल धर, कृष्णकांत, भारतीय ज्ञानपीठ
- इंटरनेट जर्नलिज़्म- विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाशन, जयपुर
- सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार – कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन
- ऑनलाइन मीडिया सुरेश कुमार, पियर्सन प्रकाशन, भारत
- हिन्दी ब्लॉगिंग का इतिहास रवींद्र प्रभात, हिन्दी साहित्य निकेतन
- डिजिटल मीडिया (हैन्डबुक) – इरफान-ए-आज़म
- डिजिटल मीडिया अजय कुमार, प्रभात प्रकशन,
- Understanding digital literacies: A Practical Introduction by Rodney H.Jones & Christoph A.Hafner
- कृत्रिम बुद्धि - के.डी.पावेट, प्रकाशन एवं सूचना निदेशालय, नई दिल्ली|

तृतीय सत्र

DSE/CORE = 4 credits (1X4) 3TH + 1P/TU

HIN-H-CC-3-3-TH

आधुनिक हिन्दी कविता (छायावादोत्तर)

केदारनाथ अग्रवाल -

- जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ
- पहला पानी
- हमारी जिंदगी
- मजदूर के जन्म पर
- वीरांगना

नागार्जुन -

- अकाल और उसके बाद
- घिन तो नहीं आती
- बहुत दिनों के बाद
- तुम किशोर तुम तरुण
- गुलाबी चूड़ियाँ

रामधारी सिंह दिनकर -

- कुरुक्षेत्र का छठा सर्ग

माखनलाल चतुर्वेदी -

- पुष्प की अभिलाषा
- कैदी और कोकिला
- जवानी

अज्ञेय -

- यह दीप अकेला
- मैं वहाँ हूँ
- कलगी बाजरे की
- साँप
- मैंने आहुति बनकर देखा

भवानी प्रसाद मिश्र -

- गीत फ़रोश
- सतपुड़ा के जंगल
- बुनी हुई रस्सी
- कठपुतली

रघुवीर सहाय -

- हँसो हँसो जल्दी हँसो
- रामदास
- पढ़िए गीता
- राष्ट्रगीत
- तोड़ो

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -

- प्रार्थना
- काठ की घंटियाँ
- व्यंग्य मत बोलो
- लीक पर वे चलें
- पाठशाला खुला दो महाराज

धर्मवीर भारती -

- कविता की मौत

- संक्रांति
- उपलब्धि
- अँजुरी भर धूप
- आस्था

स्नेहमयी चौधरी

- पहचान
- घर
- भाषा
- धूप : एक गौरइया
- एक इंटरव्यू

DSC/Core = 4 Credits (1 x 4) 3Th +1P/TU

HIN-H-CC-3-4-TH

(भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा)

- भाषा – परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली|
- भाषा विज्ञान – परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध|
- स्वनिम विज्ञान – परिभाषा, स्वन, वागेन्द्रिय, स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर| स्वन परिवर्तन के कारण |
- रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद) पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात|
- वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण|
- अर्थ विज्ञान– शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ|
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएं|

- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी|
- देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास |

SEC = 4 credits (1x4) 3TH + 1P/TU

HIN-H-SEC-3-3-TH

(दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन)

- संचार माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार| इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भाषा-प्रयोग: लेखन, सम्पादन और प्रसारण का संदर्भ| रेडियो, टेलिविज़न, सिनेमा एवं वीडियो का व्याकरण एवं भाषिक वैशिष्ट्य |
- भाषा-प्रयोग: परिचय, संगीत, संलाप एवं एकालाप, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कथन, सहप्रयोग | श्रव्य-माध्यम और भाषा की प्रकृति, तान- अनुतान की समस्या, ध्वनि प्रभाव और निःशब्दता, मानक उच्चारण, समाचार पठन|
- दृश्य- श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, सिनेमाई भाषा और संवाद की अदायगी|
- रेडियो-लेखन: रेडियो पत्रिका, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन| एफ.एम.बैंड पर प्रसारणार्थी शैक्षिक- सामग्री का सृजन|
- टेलिविज़न लेखन : समाचार, धारावाहिक, चर्चा- परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संरचना और प्रस्तुति
- सिनेमा: सुजाता, शतरंज के खिलाड़ी, थप्पड़, दंगल जैसी फिल्मों के बहाने हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा पर विचार| फिल्म- समीक्षा लेखन |

AEC = 2 Credits (1X2) 2TH + OP/TU

HIN-H-AEC-3-1-TH

हिंदी व्याकरण-रचना एवं कविताएँ

(**हिंदी व्याकरण एवं रचना का परिचय**)

- संज्ञा, सर्वनाम,
- विशेषण, क्रिया, अव्यय
- विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द
- शब्द समूहों के लिए एक शब्द
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

कविताएँ

- हिमाद्रि तुंग श्रृंग से (जयशंकर प्रसाद)
- उनको प्रणाम (नागार्जुन)
- सवेरे उठा तो धूप खिली थी (अज्ञेय)
- हो गई है पीर पर्वत सी (दुष्यंत)

अनुमोदित पुस्तकें -

- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी व्याकरण - एन. सी. ई. आर. टी.
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
- बेसिक हिन्दी - बद्रीनाथ कपूर
- हिन्दी मुहावरे - श्री ब्रह्मस्वरूप दिनकर शर्मा

- हिंदी मुहावरा कोश - भवदेव पांडेय

****

CVAC - ENVS BY THE UNIVERSITY OF CALCUTTA (FOR ALL HONOURS AND GENERAL) (ENVS and OTHERS decided by the University

4 credits (2 X 2)

चतुर्थ सत्र

DSC/Core = 4 Credits (1 x 4) 3Th +1P/TU

HIN-H-CC-4-5-TH

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और उसका महत्व|
- हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण |
- आदिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) आदिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ एवं विशेषताएँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार |
- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख रचनाकार|
- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा विशेषताएँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त तथा श्रृंगारेतर काव्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार|

DSE/CORE- 4 credits 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-4-6-TH

हिन्दी कहानी

- उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- दुनिया का सबसे अनमोल रतन – प्रेमचंद
- गुंडा - जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत – सुदर्शन
- पाली – भीष्म साहनी
- तीसरी कसम – रेणु
- बदला – अज्ञेय
- मिस पाल – मोहन राकेश
- परिंदे – निर्मल वर्मा
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत
- मेरी माँ कहाँ - कृष्णा सोबती
- पिता – ज्ञानरंजन
- टेपचू - उदय प्रकाश
- ब्लैकहोल - संजीव

DSE/CORE- 4 credits 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-4-7-TH

(हिन्दी नाटक और एकांकी)

नाटक –

- अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
- माधवी – भीष्म साहनी

एकांकी -

- औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा
- कोणार्क - जगदीश चंद्र माथुर
- अधिकार का रक्षक – उपेन्द्रनाथ अश्क
- स्ट्राइक - भुवनेश्वर
- स्वर्ग में विप्लव - लक्ष्मीनारायण मिश्र

DSE/CORE- 4 credits 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-4-8-TH

(हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ)

- सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल - करुणा
- माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
- महादेवी वर्मा – दो फूल
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया

- डॉ नगेन्द्र – दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- निर्मल वर्मा – सिंगरौली जहां से वापसी नहीं
- विष्णुकान्त शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक

AEC = 2 Credits (1X2) 2TH + 0P/TU

HIN-H-AEC- 4-2-TH

कहानी, निबंध एवं रचनात्मक लेखन

कहानी –

- मंत्र – प्रेमचंद
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
- त्रिशंकु - मन्नू भंडारी

निबंध –

- पर्यावरण संरक्षण – शुकदेव प्रसाद
- संस्कृति है क्या ? – दिनकर

पत्र लेखन -

भाव पल्लवन –

अनुमोदित पुस्तकें -

- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी व्याकरण - एन. सी. ई. आर. टी.
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

पंचम सत्र

DSE/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-5-9-TH

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल - राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- हिन्दी नवजागरण
- भारतेंदु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

हिन्दी गद्य का विकास

- स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी गद्य
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-5-10-TH

(भारतीय काव्यशास्त्र)

- भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय
- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
- रस सिद्धांत – रस की अवधारणा, रस- निष्पत्ति, साधारणीकरण
- ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण
- अलंकार सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, शब्दालंकार और अर्थालंकार का परिचय
- रीति सिद्धांत – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण
- वक्रोक्ति सिद्धांत – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
- औचित्य सिद्धांत – औचित्य सिद्धांत का विवेचन

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-5-11-TH

(हिन्दी उपन्यास)

- सेवासदन – प्रेमचंद
- त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा
- महाभोज – मन्नू भंडारी
- ऐ लड़की – कृष्णा सोबती
- तमस – भीष्म साहनी

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-A-CC-5-12-TH (TU)

(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी, संपर्क भाषा, राज-भाषा के रूप में हिन्दी
- बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, संविधान में हिन्दी
- हिन्दी की शैलियाँ- हिन्दी, उर्दू, रेख्ता, दक्खिनी और हिंदुस्तानी
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
- हिन्दी का मानकीकरण
- हिन्दी के प्रयोग- क्षेत्र, वार्ता प्रकार और शैली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार: कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण
- व्यवसायिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण
- संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और प्रमुख लक्षण
- भाषा व्यवहार: सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन, सरकारी अथवा व्यवसायिक पत्र-लेखन
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द- निर्माण, प्रक्रिया और प्रस्तुति

छठवाँ सत्र

DSE/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-6-13-TH

(हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता)

- साहित्यिक पत्रकारिता: अर्थ, अवधारणा और महत्व |

- भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ|
- द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ|
- प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ|
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ|
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृतियाँ|
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका |
- महत्वपूर्ण पत्र- पत्रिकाएं – बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदोस्थान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता |

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-6-14-TH

(साहित्य और हिन्दी सिनेमा)

- सिनेमा और समाज – सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, प्रारम्भिक दौर का सिनेमा, स्वाधीनता आंदोलन और सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, हिन्दी सिनेमा का समाज पर प्रभाव
- सिनेमा कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यम के रूप में सिनेमा की स्थिति,
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष – फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिनेमा-गीत एवं संगीत, अभिनय, सम्पादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा एक व्यवसाय के रूप में, सिनेमाघर, तकनीकी क्रांति और सिनेमा
- भूमंडलीकरण, बाजारवाद और सिनेमा
- साहित्य और हिन्दी सिनेमा – अन्तः संबंध, हिन्दी सिनेमा और साहित्य, साहित्य का सिनेमा के रूप में रूपांतरण – समस्याएं और समाधान
- फिल्म समीक्षा: अवधारणा, फिल्म समीक्षा की विशेषताएं

- स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी सिनेमा- राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी सिनेमा- मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, गर्म हवा, शोले, तारे जमीं पर, पान सिंह तोमर, कागज, थप्पड़
- 21वीं शताब्दी का सिनेमा – संक्षिप्त परिचय

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-6-15-TH

(भारतीय साहित्य)

भारतीय साहित्य की अवधारणा संस्कृत, उर्दू, बांग्ला, कन्नड़

संस्कृत

- मेघदूत के प्रथम दस पद
- **गीता के पाँच श्लोक –**

न हि ज्ञानेन सदृशं, पवित्र- मिह विधते \

तत्- स्वयं योग- संसिद्धः,काले नात्मनि विन्दति \\1\\

कर्मणः सुकृतस्याहुः , सत्विकं निर्मलं फलम् \

रजसस्- तु फलं दुःख- मज्ञानं तमसः फलम् \\2\\

मानाप- मानयोस् – तुल्यस्- तुल्यो मित्रारि- पक्षयोः \

सर्वारम्भ- परित्यागी, गुणातीतः स उच्यते \\3\\

ज्ञानं ज्ञेयं परिज्ञाता, त्रिविधा कर्मचोदना \

करणं कर्म कर्तेति, गिविध: कर्म सङ्ग्रह : \\4\\

वसांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृहणती नरोऽपराणि \

तथा शरीराणि विहाय जीर्णा न्यन्यानि संयाति नवानि देही \\5\\

ऋचागीत –

द्रष्टा: ऋषि कवि संवनन आंगिरस

सं गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम् \

देवाभागं यथापूर्वे संजानाना उपासते

समानो मंत्र: समिति: समानी समानं मनः सहचित्तमेषाम् \

समानं मत्रममि मंत्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि

समानो व आकृति: समाना हृदयानि वः \

समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति \

ऋक् संहिता : 10/191/2-3-4

उर्दू

गालिब – गजल

- दिले नादां तुझे हुआ क्या है
- आह को चाहिए इक उम्र असर होने तक

मंटो – लाइसेंस (कहानी)

बांग्ला

- रवीन्द्रनाथ ठाकुर की दो कविताएं - कृष्णकली, प्राण

- शरतचंद्र चट्टोपाध्याय – अभागी का स्वर्ग (कहानी)
- महाश्वेता देवी का उपन्यास – हजार चौरासी की माँ

कन्नड़

- उपन्यास – संस्कार – यू. आर. अनंतमूर्ति

सातवाँ सत्र

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-A-CC-7-16-TH(TU)

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएं |
- अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन |
- लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा |
- वर्ड्सवर्थ -काव्य भाषा का सिद्धांत
- कॉलरिज – कल्पना और फैंटेसी |
- क्रोचे – अभिव्यंजनावाद |
- टी. एस. एलियट- परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैक्तिकता का सिद्धांत |
- आई. ए. रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत |
- नई समीक्षा
- मार्क्सवाद समीक्षा

- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान|
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता |

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-A-CC-7-17-TH(TU)

(अनुवाद: सिद्धांत और प्रविधि)

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति |
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक- सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका|
- अनुवाद के प्रकार– शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, यंत्रानुवाद |
- अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण– विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन |
- अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष– पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थान्तरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया)|
- गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद|
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अंतर |
- कार्यालयी अनुवाद- शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र, परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालयी आदेश, अधिसूचना, संकल्प प्रस्ताव (रेज़ल्यूशन), निविदा, संविदा, विज्ञापन |
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी, बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप |

HIN-H-CC-7-18-TH

(अस्मितामूलक विमर्श)

विमर्शों की सैद्धांतिकी (सभी)

- दलित विमर्श – अवधारणा और आन्दोलन, फुले और अंबेडकर
- स्त्री विमर्श – अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)
- आदिवासी विमर्श – अवधारणा और आंदोलन

विमर्शमूलक कथा साहित्य

- ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम
- जयप्रकाश कर्दम – नो बार
- हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर (उपन्यास अंश), पृष्ठ संख्या- 158-167
- मोहनदास नैमिशराय - मुक्तिपर्व (उपन्यास का अंश) पृष्ठ संख्या– 24-33
- सुमित्रा कुमारी सिन्हा - व्यक्तित्व की भूख
- नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

विमर्शमूलक कविता

दलित कविता –

- अछूतानन्द (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे)
- नगीना सिंह (कितनी कथा)
- माताप्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

स्त्री कविता -

- कीर्ति चौधरी – सीमा रेखा

- कात्यायनी – सात भाइयों के बीच चम्पा
- सविता सिंह – मैं किसकी औरत हूँ

आदिवासी कविता -

- निर्मला पुतुल – उतनी दूर मत ब्याहना बाबा
- अनुज लुगुन- उलगुलान की औरतें
- रजनी तिलक – औरत औरत में भी अंतर है

विमर्शमूलक गद्य विधाएं

- महादेवी वर्मा – स्त्री के अर्थ - स्वातंत्र्य का प्रश्न (श्रृंखला की कड़ियाँ से)
- प्रभा खेतान – अन्या से अनन्या (आत्मकथा अंश), पृष्ठ संख्या 28-42 तक
- तुलसीराम – मुर्दहिया (आत्मकथा अंश, चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ संख्या- 125-135)
- डॉ॰ धर्मवीर – अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर (निबंध)

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-7-19-TH(TU)

(मीडिया लेखन)

- जन संचार माध्यम : अभिप्राय, स्वरूप और प्रकार|
- जनसंचार माध्यमों का समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव |
- जनसंचार माध्यम की चुनौतियाँ और हिन्दी |
- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन: सम्पादकीय फीचर वार्ता, साक्षात्कार तथा खेल आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन |
- दृश्य- श्रव्य माध्यमों की भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन |

- प्रिन्ट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संदर्भ में विज्ञापन का अर्थ, उपयोगिता और प्रविधि, विज्ञापन लेखन |
- कंप्यूटर : सामान्य परिचय
- हिन्दी सॉफ्टवेयर, हिन्दी युनिकोड- प्रकार एवं प्रयोग |
- इंटरनेट : सामान्य परिचय और प्रयोग (मेल, ब्लॉग, फेसबूक, व्हाट्सप्प, इंस्टाग्रा

DSE/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-7-20-TH

(Only for the candidates not persuing Research work)

(प्रवासी साहित्य)

- प्रवासी साहित्य – अर्थ और अवधारणा

उपन्यास

- अभिमन्यु अनंत – लाल पसीना (राजकमल प्रकाशन)
- सुषम बेदी – लौटना
- नीना पॉल – कुछ गाँव- गाँव, कुछ शहर-शहर
- अनिलप्रभा कुमार – सितारों में सूराख

कहानियाँ

- तेजेन्द्र शर्मा – कोख का किराया
- जकिया जुबेरी – सांकल
- जय वर्मा – गुलमोहर
- सुधा ओम ढींगरा – कौन सी जमीन अपनी
- उषा राजे सक्सेना – ऑन्टोप्रेन्योर

- पूर्णिमा बर्मन – यों ही चलते हुए
- दिव्या माथुर – पंगा

कविताएं

- पुष्पित अवस्थी – पसीने का इतिहास, मकान का घर
- तेजेन्द्र शर्मा – टेम्स का पानी, कर्मभूमि
- डॉ० पद्मेश गुप्त – माथे की शिकन, बर्लिन की दीवार
- अचला शर्मा – परदेश में वसंत की आहट, एक प्रवासी भारतीय की घर की वापसी छुट्टियों पर

आठवाँ सत्र

DSE/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-8-21-TH

(राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्य)

मैथिलीशरण गुप्त

- भारतवर्ष
- मातृभूमि
- किसान
- असंतोष

माखनलाल चतुर्वेदी

- जवानी
- प्यारे भारत देश
- बलि पंथी से
- दीप से दीप जले

सोहन लाल द्विवेदी

- युगावतार गांधी
- पूजा गीत
- कोशिश करने वालों की हार नहीं होती
- जय राष्ट्रीय निशान

रामधारी सिंह दिनकर

- कलम या कि तलवार
- मेरे नगपति मेरे विशाल
- सिंहासन खाली करो कि जनता आती है
- शक्ति और क्षमा
- कुरुक्षेत्र (प्रथम सर्ग का भाग-1)

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

- हम अनिकेतन
- विप्लव गायन
- अरे तुम हो काल के भी काल
- असिधारा पथ

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-8-22-TH

(तुलसीदास)

- तुलसीदास का साहित्यिक परिचय

- तुलसीदास की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- रामचरित मानस- आयोध्याकाण्ड – दोहा संख्या- 67 से 185 (गीता प्रेस, गोरखपुर)
- कवितावली – उत्तर कांड – पद संख्या – 29,35,37,44,45,88,89,102,103,108,119,122,126,132,134,136,140,141,146,153,155,161,165,182 (गीता प्रेस, गोरखपुर)
- गीतावली – बाल कांड – पद संख्या – 7,8,9,10,18,24,26,31,33,36,44,73,95,97,101,104,105,110 (गीता प्रेस, गोरखपुर)
- विनय पत्रिका – पद संख्या - 1,5,17,30,36,41,45,72,78,79,85,89,90,94,103,104,111,113,121,159,160,166,167,182,201,269,272 (गीता प्रेस, गोरखपुर)

रामलला नहछू – (पद)

- आदि सारदा गणपती गौरी मनाइय हो ।
- कोटिन्ह बाजन बाजहि दसरथ के गृह हो।
- गजमुक्ता हीरामनि चौक पुराइय हो ।
- बनि बनि आवति नारि जानि गृह मायन हो ।
- कौसल्या की जेठी दीन्ह अनुसासन हो ।
- आजु अवधपुर आनंद नहछु राम क हो ।
- दसरथ राउ सिहासन बैठि बिराजही हो ।

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-8-23-TH

(जयशंकर प्रसाद)

- जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय
- सांस्कृतिक एवं वैचारिक पृष्ठभूमि

- **नाटक** – चन्द्रगुप्त
- **कहानियाँ** – छोटा जादूगर, मधुआ, ममता, पुरस्कार, अशोक |
- **उपन्यास** – कंकाल

निबंध-

- कवि और कविता
- यथार्थवाद और छायावाद

लहर – चार ऐतिहासिक कविताएं –

- पेशोला की प्रतिध्वनि
- शेरसिंह का शस्त्र समर्पण
- प्रलय की छाया
- अशोक की चिंता
- आँसू (सम्पूर्ण)
- कामायनी - चिंता सर्ग

Note : RESEARCH WORK / PAPER 24th and 25th WILL BE PROVIDED LATER ON.

हिंदी पाठ्यक्रम

सामान्य के लिए

(For Honours General and MDC Course)

प्रथम सत्र

DSC/Core = 4 Credits (1 X 4) 3Th + 1P/TU

HIN-MD-CC-1-1-TH

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता की प्रस्तावना एवं परिचय)

विद्यापति – निम्नलिखित पद

- सखी रे हमर दुखक नहिं ओर
- मधुपुर मोहन गेल रे
- अनुखन माधव माधव सुमरइते सुंदरी भेल मधाई
- सरस बसंत समय भल पाओल दछिन पवन बहु धीरे
- कत सुख सार
- मोरे रे अँगना चानन केरि गछिया

कबीर - निम्नलिखित 5 पद 10 साखी

- संतो भाई आई ग्यान की आँधी रे
- पानी बिच मीन प्यासी

- मन न रंगाए रंगाए जोगी कपरा
- अरे इन दोउन राह न पाई
- गगन घटा घहरानी

दोहे –

- सतगुरु की महिमा अनंत
- बिरहा- बिरहा मति कहौ
- आँखड़ियाँ झाईं परी
- माला तो कर में फिरै
- जाप मरै अजपा मरै
- तूँ -तूँ करता तू भया
- हम घर जारा आपना
- कस्तूरी कुण्डलि बसै
- सुखिया सब संसार है
- कबीर यहु घर प्रेम का

जायसी - पद्मावत (मानसरोदक खंड)

सूरदास - निम्नलिखित पद (10)

- अवगति की गति कछु कहत न आवै
- जौ लौं मन कामना न छूटैं
- जसोदा हरि पालने झुलावै
- किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत
- खेलन में को काकौ गुसैयाँ
- मैया हौं न चरैहों गाई

- बूझत श्याम कौन तू गोरी
- बिनु गोपाल बैरनि भई कुंजै
- आयो घोष बड़ो व्यापारी
- ऊधौ मन न भए दस बीस

तुलसीदास - निम्नलिखित 5 पद 10 दोहे

पद

- ऐसी मूढ़ता या मन की
- जाऊँ कहाँ तजि चरण तिहारे
- ऐसो को उदार जग माहीं
- पालनै रघुपति झुलावै / लै लै नाम सप्रेम सरस स्वर कौसल्या कल कीरति गावै
- भोर भयो जागहु, रघुनन्दन | गत-व्यलीक भगतनि उर-चन्दन ||

दोहे

- राम नाम अवलंब बिनु परमारथ की आस
- जे न मित्र दुख होई दुखारी
- राम नाम मनि दीप धरि जीह देहरी द्वार
- बध्यो बधिक पर्यो पुन्य जल
- आवत हिय हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह |
- तुलसी काया साथ विपति के, विद्या, विनय, विवेक |
- तुलसी काया खेत है, मनसा भयौ किसान
- तुलसी मीठे बचन ते सुख उपजत चहुँ ओर
- सचिव, बैद, गुरु तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस

मीराबाई - निम्नलिखित पद (6)

- यह विधि भगति कैसे होय
- मैं तो साँवरे के रंग राँची
- राणाजी म्हाने या बदनामी लागे नीकी |
- हे री मैं तो प्रेम दिवाणी
- कोई कहियो रे प्रभु आवन की
- पग घुँघरू बाँधि मीरा नाची रे|

रहीम - निम्नलिखित दोहे (15)

- कहा करौं बैकुंठ लै
- खरच बढ़यो उद्यम घट्यो
- छिमा बड़ेन को चाहिए
- तरुवर फल नहीं खात है
- दीन सबन को लखत है
- दीरघ दोहा अरथ के
- पावस देखि रहीम मन
- प्रेम पंथ ऐसो कठिन
- बड़े बड़ाई ना करैं
- रहिमन देखि बड़ेन को
- रहिमन धागा प्रेम का
- रहिमन निज मन की बिथा
- रहिमन यह संसार में
- रहिमन विपदा हूँ भली

- रहिमन पानी राखिए

बिहारी - निम्नलिखित दोहे (15)

- अजौ तरौना ही रह्यों
- इन दुखिया अँखियान कौ
- करौ कुबत जग कुटिलता
- या अनुरागी चित की
- जप माला छापा तिलक
- नहीं पराग नहिं मधुर मधु
- कहत नटत रीझत खिझत
- बतरस लालच लाल की
- अनियारे दीरघ दृगनि
- तो पर वारौं उरबसी
- जब जब वै सुधि कीजियै
- को छूट्यौ इहि जाल
- औंधाई सीसी सुलखि
- दृग उरझत टूटत कुटुम
- लिखन बैठि जाकी सबी

घनानंद - निम्नलिखित पद (6)

- झलकै अति सुन्दर आनन गौर
- हीन भए जल मीन अधीन
- मीत सुजान अनीति करौ
- प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान

- रावरे रूप की रीति अनूप
- अति सूधो सनेह को मारग

रसखान - निम्नलिखित सवैये (6)

- मानुस हौं तो वही रसखान
- मोरपखा मुरली बनमाल
- फागुन लग्यो सखि जब तें
- कंचन मंदिर ऊँचे बनाई के
- सोहत है चंदवा सर मोर को
- कान्ह भए बस बांसुरी के

भूषण- निम्नलिखित पद (6)

- इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व
- पावक तुल्य अमीतन को भयो
- ब्रह्म के आनन ते निकसे ते
- सबन के ऊपर ठाढ़ो रहिबे के जोग
- बाने फहराने घहराने घंटा गजन के
- ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी

अनुमोदित पुस्तकें -

- विद्यापति पदावली - रामवृक्ष बेनीपुरी
- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दास
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पांडेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस

- पद्मावत - सं. रामचंद्र शुक्ल
- मीरा बाई की सम्पूर्ण पदावली - डॉ. रामकिशोर शर्मा
- घनानंद कवित्त - सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- रहीम - सं. विद्यानिवास मिश्र
- रसखान रचनावली - वाणी प्रकाशन
- विद्यापति - डॉ. शिवप्रसाद सिंह
- विद्यापति - डॉ आनंद प्रसाद दीक्षित
- मैथिल कोकिल विद्यापति - डॉ कृष्णदेव झारी
- हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
- भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर
- हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि - डॉ गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर - आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर
- कबीर का साहित्य अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी
- कबीर - सं बासुदेव सिंह
- कबीर अनुशीलन - प्रेमशंकर त्रिपाठी
- भक्ति आंदोलन का अध्ययन - रतिभानु सिंह नाहर
- तुलसी की साहित्य साधना - डॉ लल्लन राय
- तुलसी - उदयभानु सिंह
- तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित
- गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी

- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पांडेय
- महाकवि सूरदास - नन्ददुलारे वाजपेयी
- जायसी ग्रंथावली - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- सूरदास - सं राकेश कुमार
- मीराँबाई - सं. वसंत त्रिपाठी
- भक्ति काव्य का मूल्यबोध - वीरेंद्र मोहन
- मीराँ माधुरी - श्री ब्रजरत्न दास(भूमिका माधव हाड़ा)
- घनानंद का श्रृंगार काव्य - रामदेव शुक्ल
- मलिक मुहम्मद जायसी - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- महाकवि भूषण - भगीरथ दीक्षित
- भूषण ग्रंथावली - सं आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण - राजमल बोरा
- पद्मावत प्रभा – सूर्यप्रसाद दीक्षित

IDC/ MDC = 3 Credits (1 X 3) 2 TH + 1P/TU

HIN-MD-IDC-1/2/3-1-TH

कार्यालयी हिंदी

(कार्यालयी हिंदी के प्रयोग का परिचय)

- आवेदन पत्र के प्रकार - शासकीय पत्र, अर्द्ध शासकीय पत्र, कार्यालयी आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालयी ज्ञापन, निविदा, टिप्पणी, मसौदा लेखन ,व्यावसायिक पत्र- लेखन, प्रारूपण
- संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण
- हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण, प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

- परिभाषिक शब्द – 50

1.	Allotment	आवंटन
2.	Allowance	भत्ता
3.	Autonomous	स्वायत्त
4.	Bye-law	उप-विधि
5.	Circular	परिपत्र
6.	Confirmation	पुष्टि
7.	Contract	संविदा
8.	Enclosure	संलग्नक
9.	Honorarium	मानदेय
10.	Memorandum	ज्ञापन
11.	Notification	अधिसूचना
12.	Postponement	स्थगन
13.	Proceeding	कार्यवाही
14.	Record	अभिलेख
15.	Stagnation	गतिरोध
16.	Account	लेखा खाता
17.	Adjustment	समायोजन
18.	Audit	लेखा-परीक्षा
19.	Audition	स्वर/ ध्वनि परीक्षण
20.	Authentic	प्रामाणिक
21.	Bail	जमानत

22.	Bearer	वाहक
23.	Clearing	समाशोधन
24.	Confiscation	अधिहरण
25.	Convertible	परिवर्तनीय
26.	Dividend	लाभांश
27.	Endorsement	बंदोबस्ती
28.	Finance	वित्त
29.	Forfeiture	जब्ती
30.	Indemnity Bond	क्षतिपूर्ति बंध
31.	Investment	निवेश
32.	Lease	पट्टा
33.	Lumpsum	एकमुश्त
34.	Mobilisation	संग्रहण
35.	Mortgage	गिरवी
36.	Payable	देय
37.	progressive -note	रुक्का/हुण्डी
38.	Recommendation	संस्तुति
39.	Rectification	परिशोधन
40.	Redeemable	प्रतिदेय
41.	Revenue	राजस्व
42.	Security	प्रतिभूति
43.	Short-term credit	अल्पावधि उधार

44.	Sur-charge	अधिभार
45.	Trade mark	मार्का
46.	Transaction	लेनदेन
47.	Turn over	पण्यावर्त
48.	Validity	वैधता
49.	Warranty	आश्वस्ति
50.	Withdrawal	आहरण

****

SEC = 4 credits (1 X 4) 4TH + 0P/TU

HIN-MD-SEC-1/2/3-1-TH

लोक साहित्य

(लोक साहित्य के प्रमुख रूपों की प्रस्तावना एवं परिचय)

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
- लोकगीत : संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत ।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग , यक्षगान, बिदेसिया, भांड, तमाशा, नौटंकी|
- लोककथा : व्रतकथा, परिकथा, नाग-कथा, कथारूढ़ियाँ और अन्धविश्वास ।
- लोकभाषा : लोक सुभाषित- मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ ।
- लोकनृत्य एवं लोक संगीत ।

अनुमोदित पुस्तकें -

- लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद - बद्रीनारायण
- लोक साहित्य और लोक संस्कृति - डॉ रामनिवास शर्मा
- भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- लोक साहित्य की भूमिका - डॉ कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ श्रीराम शर्मा
- लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ शंकरलाल यादव
- भारतीय लोक विश्वास - डॉ कृषदेव उपाध्याय
- धरती गाती है - देवेंद्र सत्यार्थी
- अवधी लोक गीतों का समाज शास्त्रीय अध्ययन – सत्या उपाध्याय
- लोक संस्कृति की रूपरेखा - कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक रंग :उत्तर प्रदेश - दया प्रकाश सिन्हा
- भारतीय लोकनाट्य - वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
- लोक संस्कृति : आयाम और परिदृश्य - सं महावीर प्रसाद अग्रवाल
- लोक साहित्य विमर्श - श्याम परमार
- अवधी लोक वांगमय – सूर्य प्रसाद दीक्षित
- मध्यप्रदेश का लोकनाट्य माच - शिवकुमार मधुर
- आधुनिक हिन्दी नाट्यालोचन , नई भूमिका - नर नारायण राय
- सृजन का सुख दुःख - प्रतिभा अग्रवाल
- बोलने की कला - भानु शंकर मेहता
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा
- हमारे लोकधर्मी नाट्य - श्याम परमार

- लोक साहित्य : पाठ और परख - विद्या सिन्हा
- हिंदी व्याकरण एवं रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

द्वितीय सत्र

HIN-MD-CC-2-2-TH

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

(आधुनिक हिंदी कविता की प्रस्तावना और परिचय)

भारतेन्दु हरिश्चंद्र -

- नये जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' -

- एक तिनका
- कर्मवीर
- सरिता
- खद्योत
- फूल और काँटा

मैथिलीशरण गुप्त -

- सखि वे मुझसे कह कर जाते
- किसान
- मनुष्यता
  - आर्य
  - होली

जयशंकर प्रसाद -

- हमारा प्यारा भारतवर्ष
- अरुण यह मधुमय देश हमारा
- उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर
- मधुप गुनगुनाकर कह जाता
- ले चल वहाँ भुलावा देकर
- पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला -

- संध्या सुंदरी
- अधिवास
- जागो फिर एक बार (2)
- गहन है यह अंधकारा
- स्नेह निर्झर बह गया है
- ध्वनि

सुमित्रानंदन पंत -

- प्रथम रश्मि
- बादल
- गा कोकिल बरसा पावक कण
- मौन निमंत्रण
- धूप का टुकड़ा
- संध्या

महादेवी वर्मा -

- धीरे- धीरे उतर क्षितिज से
- क्या पूजा क्या अर्चन रे
- मैं नीर भरी दुःख की बदली
- चिर सजग आँखें उनींदी
- पंथ रहने दो अपरिचित
- यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो

सुभद्रा कुमारी चौहान -

- मेरा नया बचपन
- वीरों का कैसा हो बसंत
- गिरफ्तार होने वाले हैं
- प्रथम दर्शन
- ठुकरा दो या प्यार करो
- पारितोषिक का मूल्य

अनुमोदित पुस्तकें -

- भारतेन्दु रचना संचयन: संपादक - गिरीश रस्तोगी
- भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
- मैथिलीशरण गुप्तः पुनर्मूल्यांकन - डॉ नगेंद्र
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
- काव्य और कला तथा अन्य निबंध - जयशंकर प्रसाद

- छायावाद: पुनर्मूल्यांकन - सुमित्रानन्दन पंत
- छायावाद का व्यावहारिक सौंदर्यशास्त्र – सूर्यप्रसाद दीक्षित
- पल्लव - सुमित्रानंदन पंत
- छायावाद - नामवर सिंह
- छायावाद की प्रासंगिकता - रमेश चन्द्र शाह
- प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर
- प्रसाद साहित्य की अंतश्चेतना - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा
- महादेवी - परमानंद श्रीवास्तव
- महादेवी वर्मा :एक मूल्यांकन - कुमार विमल
- निराला रचनावली - सं नंदकिशोर नवल
- छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन - कुमार विमल
- साहित्य चिंतन और मूल्यांकन - कुमार विमल
- भारतीय नवजागरण और दिनकर - मीनाक्षी चौहान
- परंपरा, आधुनिकतावाद और दिनकर - जयसिंह नीरद
- राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और प्रसाद - शम्भुनाथ
- रामविलास शर्मा : चिंतन अनुचिंतन - ऋषिकेश राय
- जयशंकर प्रसाद - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
- कवि निराला - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
- निराला - सं विश्वनाथ तिवारी
- निराला - इंद्रनाथ मदान

****

CVAC - ENVS BY THE UNIVERSITY OF CALCUTTA (FOR ALL HONOURS AND GENERAL) (ENVS and OTHERS decided by the University)

4 credits (2 X 2)

तृतीय सत्र

DSE/CORE = 4 credits (1X4) 3TH + 1P/TU

HIN-MD-CC-3-3-TH

आधुनिक हिन्दी कविता (छायावादोत्तर)

केदारनाथ अग्रवाल -

- जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ
- पहला पानी
- हमारी जिंदगी
- मजदूर के जन्म पर
- वीरांगना

नागार्जुन -

- अकाल और उसके बाद
- घिन तो नहीं आती
- बहुत दिनों के बाद
- तुम किशोर तुम तरुण
- गुलाबी चूड़ियाँ

रामधारी सिंह दिनकर -

- कुरुक्षेत्र का छठा सर्ग

माखनलाल चतुर्वेदी -

- पुष्प की अभिलाषा
- कैदी और कोकिला
- जवानी

अज्ञेय -

- यह दीप अकेला
- मैं वहाँ हूँ
- कलगी बाजरे की
- साँप
- मैंने आहुति बनकर देखा

भवानी प्रसाद मिश्र -

- गीत फ़रोश
- सतपुड़ा के जंगल
- बुनी हुई रस्सी
- कठपुतली

रघुवीर सहाय -

- हँसो हँसो जल्दी हँसो
- रामदास
- पढ़िए गीता
- राष्ट्रगीत
- तोड़ो

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -

- प्रार्थना
- काठ की घंटियाँ
- व्यंग्य मत बोलो

- लीक पर वे चलें
- पाठशाला खुला दो महाराज

धर्मवीर भारती -

- कविता की मौत
- संक्रांति
- उपलब्धि
- अँजुरी भर धूप
- आस्था

स्नेहमयी चौधरी

- पहचान
- घर
- भाषा
- धूप : एक गौरइया
- एक इंटरव्यू

AEC = 2 Credits (1X2) 2TH + OP/TU

HIN-MD-AEC-3-1-TH

हिंदी व्याकरण-रचना एवं कविताएँ

(**हिंदी व्याकरण एवं रचना का परिचय**)

- संज्ञा, सर्वनाम,
- विशेषण, क्रिया, अव्यय
- विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द
- शब्द समूहों के लिए एक शब्द

- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

कविताएँ

- हिमाद्रि तुंग श्रृंग से (जयशंकर प्रसाद)
- उनको प्रणाम (नागार्जुन)
- सवेरे उठा तो धूप खिली थी (अज्ञेय)
- हो गई है पीर पर्वत सी (दुष्यंत)

अनुमोदित पुस्तकें -

• हिन्दी व्याकरण	-	कामताप्रसाद गुरु
• हिन्दी शब्दानुशासन	-	किशोरीदास वाजपेयी
• हिन्दी व्याकरण	-	एन. सी. ई. आर. टी.
• आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	-	डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
• बेसिक हिन्दी	-	बद्रीनाथ कपूर
• हिन्दी मुहावरे	-	श्री ब्रह्मस्वरूप दिनकर शर्मा
• हिंदी मुहावरा कोश	-	भवदेव पांडेय

****

DSE/CORE- 4 credits 3TH +1P/TU

चतुर्थ सत्र

HIN-MD-CC-4-4-TH

हिन्दी कहानी

- उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी

- दुनिया का सबसे अनमोल रतन – प्रेमचंद
- गुंडा - जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत – सुदर्शन
- पाली – भीष्म साहनी
- तीसरी कसम – रेणु
- बदला – अज्ञेय
- मिस पाल – मोहन राकेश
- परिंदे – निर्मल वर्मा
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत
- मेरी माँ कहाँ - कृष्णा सोबती
- पिता – ज्ञानरंजन
- टेपचू - उदय प्रकाश
- ब्लैकहोल - संजीव

DSC/Core = 4 Credits (1 x 4) 3Th +1P/TU

HIN-MD-CC-4-5-TH

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और उसका महत्व|
- हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण |
- आदिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक), आदिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ एवं विशेषताएँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार |

- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक), भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख रचनाकार|

- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा विशेषताएँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त तथा श्रृंगारेतर काव्य का सामान्य परिचय और प्रमुख रचनाकार|

AEC = 2 Credits (1X2) 2TH + 0P/TU

HIN-MD-AEC-4-2-TH

कहानी, निबंध एवं रचनात्मक लेखन

कहानी –

- मंत्र – प्रेमचंद
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
- त्रिशंकु - मन्नू भंडारी

निबंध –

- पर्यावरण संरक्षण – शुकदेव प्रसाद
- संस्कृति है क्या ? – दिनकर

पत्र लेखन -

भाव पल्लवन –

अनुमोदित पुस्तकें -

- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी व्याकरण - एन. सी. ई. आर. टी.
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

****

पंचम सत्र

DSE/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-5-6-TH

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल: राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- हिन्दी नवजागरण
- भारतेंदु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

हिन्दी गद्य का विकास

- स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी गद्य
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य

DSE/CORE- 4 credits 3TH +1P/TU

HIN-H-CC-5-7-TH

(हिन्दी नाटक और एकांकी)

नाटक –

- अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद
- आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
- माधवी – भीष्म साहनी

एकांकी -

- औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा
- कोणार्क - जगदीश चंद्र माथुर
- अधिकार का रक्षक – उपेन्द्रनाथ अश्क
- स्ट्राइक - भुवनेश्वर
- स्वर्ग में विप्लव - लक्ष्मीनारायण मिश्र

DSC/CORE- 4 credits(1x4) 3TH +1P/TU

HIN-MD-CC-6-8-TH

(हिन्दी उपन्यास)

- सेवासदन – प्रेमचंद
- त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा
- महाभोज – मन्नू भंडारी
- ऐ लड़की – कृष्णा सोबती
- तमस – भीष्म साहनी

For Minor Paper

For 3 and 4 years minor course please see the University of Calcutta Notification No CSR/04/2023 and CSR/05/2023

SEM/COURSE	HONOURS MINOR 1	HONOURS MINOR 2	MDC CC1 MAJOR 1	MDC CC2 MAJOR 2	MDC MINOR
1ST	PAPER 1	X	PAPER 1	PAPER 1	X
2ND	PAPER 2	X	PAPER 2	PAPER 2	X
3RD	X	PAPER 1	PAPER 3	PAPER 3	PAPER 1
4TH	X	PAPER 2	PAPER 4 PAPER 5	PAPER 4 PAPER 5	PAPER 2
5TH	PAPER 3	PAPER 3	PAPER 6 PAPER 7	PAPER 6	PAPER 3 PAPER 4
6TH	PAPER 4	PAPER 4	PAPER 8	PAPER 7 PAPER 8	PAPER 5 PAPER 6

PAPER 1

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

PAPER 2

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

PAPER 3

आधुनिक हिन्दी कविता – छायावादोत्तर

PAPER 4

हिन्दी कहानी

PAPER 5

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

PAPER 6

हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल

PAPER 7

हिन्दी नाटक और एकांकी

PAPER 8

हिन्दी उपन्यास

Examination modalities: -

DSC/Core + Minor

(Major) (m1 & m2)

1st semester & 2nd semester

1x4=4 1x4=4(m1)

(3TH+1P/TU) + (3TH+1P/TU)

Question Pattern and Marks allocation:

(व्याख्या सहित प्रश्न- पत्र)

1. Explanatory type answer (reference to the context.)

(व्याख्या)- any three out of five.

Marks distribution – 10X3 = (30 Marks)

2. Descriptive answer type

(आलोचनात्मक प्रश्न) any three out of five

Marks distribution – 12X3= (36 Marks)

3. objective question

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Marks distribution – 1X09= (09 Marks)

Total marks = 75 marks

- 1P/TU (25 marks)

Marks distribution (15+10)

15 marks (project /ppt/ term paper)

10 marks (viva based on the project)

IDC

1X3=3 2X2=4

(2TH+1P/TU)

Question pattern and marks allocation: -

1 Descriptive answer type

(आलोचनात्मक प्रश्न) any two out of four

Marks distribution – 10X2 (20 marks)

2 Short notes – 5X4 (20 marks)

(टिप्पणी)

3 Objective Questions – 1X10 (10 marks)

- 1P/TU (25 marks)

Marks distribution (15+10)

15 (project /ppt/ term paper)

10 (viva based on the project)

SEC

1X4=4

Question pattern and marks allocation: -

(व्याख्या रहित प्रश्न-पत्र)

1. descriptive answer type

(आलोचनात्मक प्रश्न) any three out of five

Marks distribution: 12X3= (36 marks)

2. Short notes – 7.5X4 = (30 marks)

(टिप्पणी) any four out of six

3 Objective questions – 1X9 = (09 marks)

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न) (total= 75 marks)

AEC

(2TH+0P/TU)

Question pattern and marks allocation: -

1 Long answer type

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न) any two out of four

Marks distribution – 10X2 (20 marks)

2 Short notes – 5X4 (20 marks)

(टिप्पणी) any four out of six

3 Objective Questions – 1X10 (10 marks)

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)